सभाओं के जरिए शक्ति प्रदर्शन

दतिया उपचुनाव : भाजपा-कांग्रेस की चुनावी सभाएं सम्पन्न

मध्यप्रदेश के प्रतिष्ठित दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए सोमवार को सत्तारूढ़ दल भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने अपने अपने प्रत्याशियों के नामांकनपत्र दाखिल करने के बाद अलग-अलग चुनावी सभाएं आयोजित कर चुनावी अभियान की शुरूआत की. भाजपा इस सीट पर फिर से कब्जा जमाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है, जबकि कांग्रेस यहां पर अपना परचम फिर से लहराने के लिए भरपूर कोशिश में जुटी है. भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और पूर्व मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने भी संबोधित किया, जबकि कांग्रेस ने भी दतिया में अपनी चुनावी सभा कर शक्ति प्रदर्शन किया.

नवभारत न्यूज

दतिया, 13 जुलाई. भारतीय जनता पार्टी नेताओं ने दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए पार्टी का अभियान शुरू करते हुए कांग्रेस पर जमकर आरोप लगाए और दावा किया कि जनता अब भाजपा प्रत्याशी को आशीर्वाद देगी.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कांग्रेस और उनकी मानसिकता जमीन पर टिकती ही नहीं है. कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं को अपनी जमीन पता नहीं है और आसमान खरीदने की बात करते हैं. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश समेत पूरा देश हर क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है. कांग्रेस में हमेशा व्यक्तिवाद और आपसी फूट रही है.

डॉ. यादव ने कहा कि दतिया का जो भी विकास हुआ है, वह पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा और भाजपा सरकार की ही देन है. भाजपा डॉ. मिश्रा के नेतृत्व में उपचुनाव लड़ रही है और ऐतिहासिक विजय प्राप्त करेगी.

प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि दतिया की पावन भूमि पर उमड़ा जनसैलाब इस बात का स्पष्ट संदेश है कि जनता एक बार फिर विकास, सुशासन और भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियों के साथ मजबूती से खड़ी है. भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी समर्पित, कर्मठ और संगठननिष्ठ कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने जनसेवा और पार्टी की विचारधारा को अपना जीवन समर्पित किया है. भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने कहा कि दतिया की देवतुल्य जनता का बेटा हूं. भगवान स्वरूप जनता की सेवा के लिए मुझे भाजपा ने दतिया उपचुनाव में प्रत्याशी बनाया है. आप सभी अपना आशीर्वाद प्रदान कर भाजपा को विजयी बनाएं.

पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि वह उपचुनाव में घर घर और गांव गांव जाएंगे और पार्टी प्रत्याशी को जिताएंगे. इस दौरान वे भावुक भी नजर आए. इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष रणवीर सिंह रावत, शैलेन्द्र बरूआ, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश मंत्री अर्चना सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, संभाग प्रभारी अभय यादव, सांसद शिवमंगल सिंह तोमर, संध्या राय, भारत सिंह कुशवाहा, मप्र कुक्कुट विकास निगम के अध्यक्ष केशव सिंह बघेल, महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान के अध्यक्ष कौशल शर्मा, पूर्व मंत्री इमरती देवी और जिला अध्यक्ष रघुवीर कुशवाहा भी मौजूद रहे.

कांग्रेस ने घनश्याम सिंह को बनाया लोकतंत्र की लड़ाई का चेहरा

विशेष संवाददाता

दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने सोमवार को अपने अधिकृत प्रत्याशी घनश्याम सिंह के नामांकन के साथ चुनावी अभियान का औपचारिक आगाज कर दिया. वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में नामांकन दाखिल करने के बाद आयोजित विशाल जनसभा में कांग्रेस ने इस चुनाव को केवल एक विधानसभा सीट का मुकाबला नहीं, बल्कि प्रदेश में लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा की लड़ाई बताया. जनसभा में कांग्रेस कमेटी के मध्यप्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, विधायक, जिला पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे. सभा को संबोधित करते हुए हरीश चौधरी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकारों के कार्यकाल में लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर हुई हैं तथा किसान, युवा, महिलाएं, छोटे व्यापारी और आम नागरिक आर्थिक एवं सामाजिक दबाव झेल रहे हैं. जीतू पटवारी ने कहा कि यह उपचुनाव केवल एक सीट का चुनाव नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश की भावी राजनीतिक दिशा तय करने वाला चुनाव है. पटवारी ने पूर्व विधायक राजेन्द्र भारती की सदस्यता समाप्त किए जाने को जनता के जनादेश का अपमान भी बताया.

उर्मिला हत्याकांड : डाक कर्मचारियों ने थाने का घेराव किया

- हत्यारे पति अखिलेश की गिरफ्तारी और फांसी की मांग
- पुलिस की टीमें भोपाल-सागर रवाना; साइबर सेल भी तलाश में जुटी

नव भारत न्यूज

इंदौर. पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी की निर्मम हत्या के विरोध में सोमवार को परिजनों और सहकर्मियों का आक्रोश फूट पड़ा. डाक विभाग के कर्मचारियों, परिजनों और स्थानीय लोगों ने रैली निकालकर संयोगितागंज थाने का घेराव किया और आरोपी पति अखिलेश सैनी की तत्काल गिरफ्तारी के साथ फांसी की सजा की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा. इधर, आरोपी अब भी फरार है. उसकी तलाश में पुलिस ने इंदौर के बाहर भोपाल और सागर में विशेष टीमें रवाना कर दी हैं, जबकि साइबर सेल तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उसकी लोकेशन ट्रेस करने में जुटी है.

एमजी रोड मुख्य डाकघर के कर्मचारियों ने काम बंद कर विरोध दर्ज कराया और रैली निकालते हुए संयोगितागंज थाने पहुंचे. प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जघन्य हत्याकांड के आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर कठोरतम सजा दिलाई जाए. कर्मचारी संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा. प्रदर्शन के दौरान मृतका के पिता ने कहा कि उनकी बेटी वर्षों से प्रताड़ना झेल रही थी और अब आरोपी को किसी भी सूरत में कानून से बचने नहीं दिया जाना चाहिए. उन्होंने यह भी मांग की कि आरोपी को उर्मिला की संपत्ति या अन्य किसी आर्थिक अधिकार का लाभ न मिले तथा बच्चों का भविष्य सुरक्षित किया जाए. इस बीच मृतका की बेटी का दर्द भी छलक पड़ा. उसने कहा कि उसकी मां ने जिस असहनीय पीड़ा के साथ दम तोड़ा, आरोपी को भी उसी पीड़ा का अहसास होना चाहिए. परिवार ने पुलिस से जल्द न्याय दिलाने की गुहार लगाई. उधर, पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तलाश तेज कर दी है. सूत्रों के अनुसार, आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश देने के लिए भोपाल और सागर में विशेष टीमें भेजी गई हैं.

कड़ी सजा मिले...

मां ने बहुत दर्द सहा, मैं चाहती हूं कि आरोपी को भी वही पीड़ा मिले और उसे उसके किए की कड़ी सजा मिले.
- प्रेक्षा (मृतका की बेटी)

आर्थिक लाभ दिया जाए-मेरी बेटी को बेरहमी से मार दिया गया, आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा मिले और उसे किसी भी तरह का आर्थिक लाभ नहीं दिया जाए. दोनों बच्चों का भविष्य सुरक्षित किया जाए.
- सत्यनारायण मालाकार (मृतका के पिता)

टीमें लगातार कार्रवाई कर रही है-आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अलग अलग टीमें लगातार कार्रवाई कर रही हैं. संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर भी जांच आगे बढ़ रही है.
- राजेश दंडोतिया, एडिशनल डीसीपी

पुलिस की टीमों को रवाना कर दिया है...-प्रकरण की जांच तेजी से जारी है, आरोपी की तलाश में पुलिस टीमों को इंदौर के बाहर भी रवाना किया गया है. जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा.
- केपीएस यादव, थाना प्रभारी, संयोगितागंज

मध्यप्रदेश में झमाझम बारिश पर लगा ब्रेक

22 जिलों में हल्की बारिश की संभावना

16 के बाद प्रदेश में वर्षा की गतिविधियां फिर तेज

भोपाल, 13 जुलाई. मध्य प्रदेश में जुलाई के शुरुआती दिनों में सक्रिय रहने वाला मानसून फिलहाल कमजोर पड़ गया है. पिछले चार-पांच दिनों से प्रदेश में कहीं भी भारी या अति भारी वर्षा दर्ज नहीं हुई है.

घने मानसूनी बादलों की कमी और मानसून को ऊर्जा देने वाली प्रणालियों के कमजोर पड़ने से वर्षा की गतिविधियां धीमी हो गई हैं. मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिन प्रदेश में रिमझिम बारिश और हल्की फुहारों का दौर जारी रह सकता है. सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, मंडला, बालाघाट, छिंदवाड़ा, बैतूल, खंडवा, खरगोन, धार और आलीराजपुर सहित 22 जिलों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना है. दूसरी ओर भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर समेत अधिकांश जिलों में मौसम अपेक्षाकृत साफ रहने तथा धूप निकलने के आसार हैं.

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार बंगाल की खाड़ी में 13 से 19 जुलाई के बीच एक नया चक्रवाती परिसंचरण विकसित हो सकता है. यदि यह प्रणाली निम्न दबाव के क्षेत्र में परिवर्तित होती है, तो 16 जुलाई के बाद प्रदेश में वर्षा की गतिविधियां फिर तेज हो सकती हैं. प्रशांत महासागर में बन रहे अन्य मौसम तंत्र भी मानसून को नई ऊर्जा प्रदान कर सकते हैं. बारिश की रफ्तार कम होने का असर प्रदेश के वर्षा आंकड़ों पर भी पड़ा है. कुछ दिन पहले तक सामान्य से लगभग 30 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की जा रही थी, जो अब घटकर केवल एक प्रतिशत रह गई है.

श्रावण-भादौ में महाकाल मंदिर के पट खुलने और भस्म आरती के समय में बदलाव

उज्जैन, 13 जुलाई. उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्रावण-भादौ मास के दौरान मंदिर के पट खुलने तथा भस्म आरती के समय में परिवर्तन किया गया है. नई व्यवस्था 30 जुलाई से 7 सितंबर तक प्रभावी रहेगी. श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर रोशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में रविवार को आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया. बैठक में बताया गया कि इस अवधि में प्रतिदिन प्रातः मंदिर के पट सुबह तीन बजे खोले जाएंगे. मंदिर प्रबंधन के अनुसार प्रत्येक सोमवार को विशेष व्यवस्था के तहत भगवान श्री महाकाल की भस्म आरती प्रातः 2:30 बजे प्रारंभ होगी और सुबह 4:30 बजे तक चलेगी.

गरीब परिवार का सपना भी होगा साकार, यूडीए की कॉलोनी ले रही आकार

- मध्यम वर्ग भी ले सकेंगे प्लाट मकान
- अध्यक्ष रहते डॉ यादव ने दो लाख में दी थी सौगात

मिटेगा अमीर और गरीब का भेद

प्राधिकरण द्वारा टीडीएस-3, टीडीएस-4, टीडीएस-5, टीडीएस-6 और टीडीएस-7 योजनाओं के अंतर्गत सस्ती दरों पर आवास एवं प्लॉट विकसित किए जाएंगे. प्रारंभिक योजना के अनुसार 1400 हेक्टेयर से अधिक मकान एवं प्लॉट नई विकसित हो रही कॉलोनियों में उपलब्ध कराए जाएंगे. इनकी कीमत और आकार का अंतिम निर्णय आगामी बोर्ड बैठक में लिया जाएगा, जिसके बाद टेंडर और विज्ञापन जारी कर पात्र हितग्राहियों को आवंटन प्रक्रिया शुरू की जाएगी. प्राधिकरण की कॉलोनी में अमीर और गरीब का भेदभाव मिटेगा.

नवभारत न्यूज

उज्जैन. जब डॉ मोहन यादव विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष थे तो मात्र 2 लाख 10 हजार में गरीबों और मध्यवर्गीय परिवारों को स्वयं की आवास उपलब्ध कराए थे, जो आज लाखों करोड़ों की कीमत पर पहुंच गए हैं, ऐसी एक योजना अब सीएम डॉ यादव के गृह नगर में विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि सोलंकी द्वारा लाई जा रही है जिसे खासा प्रतिसाद मिलेगा.

महाकुंभ-2028 की तैयारियों के साथ उज्जैन में विकास की रफ्तार लगातार तेज हो रही है. शहर में जहां एक ओर सड़कों का चौड़ीकरण, नए पुल, फ्लाईओवर और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों के अपने घर के सपने को साकार करने की दिशा में भी उज्जैन विकास प्राधिकरण ने बड़ी पहल शुरू कर दी है. नव नियुक्त अध्यक्ष रवि सोलंकी ने पदभार संभालते ही स्पष्ट कर दिया है कि विकास प्राधिकरण का उद्देश्य केवल मकान बनाना नहीं, बल्कि घर-परिवार बसाना और शहर के प्रत्येक नागरिक को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना है. महाकुंभ की तैयारियों के कारण शहर के कई हिस्सों में सड़क चौड़ीकरण और अन्य विकास कार्य चल रहे हैं. इन परियोजनाओं से जिन परिवारों के मकान और दुकान प्रभावित हुए हैं, उनके पुनर्वास को लेकर भी प्रशासन गंभीर है. संभागायुक्त आशीष सिंह, कलेक्टर रोशन कुमार सिंह तथा विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने इस विषय को संवेदनशीलता के साथ लेते हुए नई आवासीय योजनाओं को प्राथमिकता दी है, ताकि विकास की कीमत किसी परिवार को बेघर होकर न चुकानी पड़े.

यह क्षेत्र होगा रोशन-लालपुर, हक्कानीपुरा, कानीपुरा, निमनवासा, विक्रम नगर और रेलवे स्टेशन क्षेत्र सहित कई स्थानों पर नई कॉलोनियां विकसित की जा रही हैं. इन परियोजनाओं में किसानों से 50 प्रतिशत भूमि लेकर शेष 50 प्रतिशत विकसित स्वरूप में वापस दी गई है. इससे जहां किसानों को भी आधुनिक सुविधाओं से युक्त विकसित भूखंड प्राप्त हो रहे हैं, वहीं सरकारी और निजी दोनों स्तर पर सुनियोजित कॉलोनियों का निर्माण हो रहा है. इससे भविष्य में उज्जैन में आवास की समस्या काफी हद तक समाप्त होने की उम्मीद है.

अध्यक्ष बोले किफायती मकान

उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि सोलंकी ने कहा कि विकास प्राधिकरण का मूल उद्देश्य शहर का समग्र विकास करते हुए अधिक से अधिक लोगों को आवासीय एवं व्यावसायिक सुविधाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए किफायती आवास उपलब्ध कराने की दिशा में नई योजनाएं तैयार की जा रही हैं। बोर्ड बैठक में कीमत और प्लॉट के आकार का निर्णय होने के बाद योजना को आमजन के लिए शुरू कर दिया जाएगा।

सीईओ बोले योजना को अंतिम रूप

विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप सोनी भी महाकुंभ-2028 की तैयारियों को लेकर लगातार विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा कर रहे हैं. प्रस्तावों और प्रेजेंटेशन के माध्यम से जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ योजनाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि विकास और जनकल्याण दोनों लक्ष्य समान गति से पूरे हो सकें.

आयुर्वेद कॉलेजों में मान्यता के नये नियम

ऑनपेपर फर्जी फैकल्टी पर कसेगा शिकंजा

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 13 जुलाई. मप्र समेत देश भर के आयुर्वेद कॉलेजों में शिक्षा और चिकित्सा की गुणवत्ता सुधारने के लिए एक बड़ा कदम उठाया गया है।

नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन ने नए सत्र 2026-27 से आयुर्वेद कॉलेजों की मान्यता के लिए एक कड़ा नियम लागू कर दिया है। अब सभी कॉलेजों में शिक्षण, गैर-शिक्षण स्टाफ, अस्पताल कर्मियों, पीजी स्कॉलर्स और इंटर्न के लिए आधार आधारित बायोमेट्रिक और आइरिस (आंखों की पुतली) पहचान वाली एईबीएएस (AEBAS) उपस्थिति प्रणाली को अनिवार्य कर दिया गया है। जिसके बिना किसी भी कॉलेज को मान्यता नहीं दी जाएगी।

बता दें आयोग के नए नियमों के मुताबिक यह बायोमेट्रिक मशीनें कॉलेज और अस्पताल के मुख्य द्वारों पर लगाई जाएंगी। सुरक्षा और पारदर्शिता के लिए इन्हें क्लोज सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरे की कड़ी निगरानी में रखा जाएगा।

मध्यप्रदेश की बात करें तो कुल 39 सरकारी और प्राइवेट आयुर्वेद कॉलेजों के 10 हजार कर्मचारी, 600 पीजी स्कॉलर्स और 2 हजार इंटर्न इस नई व्यवस्था का हिस्सा बनेंगे। वहीं भविष्य में 9000 से ज्यादा यूजी छात्र भी इसी सिस्टम से हाजिरी लगाएंगे।

फर्जीवाड़े पर लगेगी लगाम

कागजों पर 'फेक फैकल्टी' (फर्जी डॉक्टर और स्टाफ) दिखाकर मान्यता पर रोक लगेगी. आयुर्वेद की पढ़ाई और अस्पतालों में इलाज की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा।
डॉ राकेश पाण्डेय, राष्ट्रीय प्रवक्ता, आयुष मेडिकल एसोसिएशन मप्र

नशे के खिलाफ मध्यप्रदेश पुलिस की बड़ी कार्वाई

विशेष संवाददाता

भोपाल, 13 जुलाई. प्रदेशव्यापी 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान के 14 जुलाई से शुरू होने से पहले मध्यप्रदेश पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ व्यापक अभियान चलाते हुए पिछले दो दिनों में 1.32 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के नशीले पदार्थ, वाहन और अन्य संपत्तियां जब्त की हैं. पुलिस ने कई जिलों में कार्रवाई करते हुए तस्करों के नेटवर्क पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है.

सबसे बड़ी कार्रवाई नीमच जिले में हुई, जहां सिंगोली थाना पुलिस ने एक पिकअप वाहन से 450.8 किलोग्राम डोडाचूरा बरामद किया, जिसकी अनुमानित कीमत 72.64 लाख रुपये से अधिक है. इस मामले में राजस्थान निवासी एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया. वहीं नीमच सिटी पुलिस ने एक निजी बस से 105 किलोग्राम डोडाचूरा जब्त किया.

गायों से टकराकर मिनी ट्रक पलटा, चालक सहित तीन घायल

मुरैना. मध्यप्रदेश के मुरैना जिले के बानमौर थाना क्षेत्र में आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर आज सोमवार सुबह सड़क पर अचानक आई गायों से टकराकर एक मिनी ट्रक पलट गया. हादसे में दो गायों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ट्रक चालक और उसके दो बेटे मामूली रूप से घायल हो गए.

'किसान कल्याण वर्ष' सिर्फ प्रचार : कांग्रेस

विशेष संवाददाता

भोपाल, 13 जुलाई. मध्यप्रदेश कांग्रेस ने वर्ष 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' घोषित किए जाने को महज प्रचार का अभियान बताते हुए राज्य सरकार पर किसानों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया. आज संयुक्त पत्रकार वार्ता में पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल और कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता राहुल राज ने कहा कि समर्थन मूल्य पर खरीदी में प्रतिबंध, उर्वरकों की कमी, फसलों के गिरते दाम, बढ़ते कर्ज और फसल बीमा में कथित अनियमितताओं से किसान जूझ रहे हैं.

शैलेन्द्र पटेल ने आरोप लगाया कि सरकार की खरीदी नीति के कारण मूंग उत्पादक किसानों को अपनी अधिकांश उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम कीमत पर बेचनी पड़ी. कई जिलों में उर्वरकों की कमी और कालाबाजारी होने का भी आरोप लगाया. राहुल राज ने बताया कि कांग्रेस ने विधानसभा के जवाबों, आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ के अभिलेखों तथा अन्य सरकारी दस्तावेजों के आधार पर 'किसान कल्याण वर्ष-2026 आरोप पत्र' तैयार किया है.

उन्होंने समर्थन मूल्य पर खरीदी में कथित अनियमितताओं, गेहूं के स्टॉक में गड़बड़ी और फसल बीमा दावों में घोटालों का आरोप लगाया. उन्होंने बुरहानपुर में हालिया आंधी-तूफान से केले की फसल को हुए नुकसान के मामलों में किसानों को पर्याप्त राहत नहीं मिलने का भी मुद्दा उठाया. कांग्रेस ने मूंग की पूरी उपज की समर्थन मूल्य पर खरीदी की मांग भी की.

पेज एक का शेष

दतिया का उपचुनाव राजा और रंक के बीच : सीएम

उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि भाजपा को रिकॉर्ड मतों से विजय दिलाने के लिए पूरी ताकत से जुट जाएं. वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने भावुक होते हुए कहा कि 20 साल पहले दतिया में तांगे चलते थे, आज हवाई जहाज में चल रहे हैं. यह विकास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकारों ने किए हैं. मैं दतिया के हर दरवाजे पर जाऊंगा और आशुतोष तिवारी को विजयी बनाने के लिए कार्य करूंगा. इस दौरान पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मंत्री राकेश शुक्ला मंचासीन रहे. जनसभा को प्रदेश शासन के मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, एंदल सिंह कंसाना, अपेक्स बैंक के प्रशासक महेंद्र यादव, पूर्व निगम अध्यक्ष शैतान पाल सिंह ने भी संबोधित किया.

घनश्याम सिंह ने भरा नामांकन

कार्यकर्ता से लेकर शीर्ष नेतृत्व तक मिलकर कांग्रेस की जीत के लिए काम करेगा। सभा से पहले दिग्विजय पीतांबरा माई के मंदिर में पूजा-अर्चना की और प्रदेश की शांति की कामना की। मंदिर से निकलने के बाद जब मीडिया ने उनसे चुनावी सवाल पूछे तो उन्होंने कहा, चल हट.

40 हजार करोड़ का निवेश, 34 हजार को रोजगार

28 हजार 200 करोड़ से अधिक की विदेशी निवेश परियोजनाएं धरातल पर साकार: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मप्र में विदेशी निवेश अब केवल एमओयू तक सीमित नहीं रहकर धरातल पर साकार हो रहा है. स्पेन, कनाडा, अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जापान, दक्षिण कोरिया, आयरलैंड और इंडो-जर्मन सहयोग सहित 8 देशों की 10 प्रमुख कंपनियों की 28 हजार 200 करोड़ रुपये से अधिक की निवेश परियोजनाएं प्रदेश में ग्राउंडब्रेकिंग चरण में हैं. इनमें स्पेन की सबमर इंडिया प्रा.लि. द्वारा भोपाल में लगभग 19 हजार करोड़ रुपये (यूएसडी 2 बिलियन डॉलर) के एआई-रेडी डेटा सेंटर की स्थापना, कनाडा की मैक्केन फूड की 3,800 करोड़ रुपये की फूड प्रोसेसिंग इकाई, यूनाइटेड किंगडम की हेलियन (जीएसके) की 3 हजार करोड़ रुपये की फार्मास्यूटिकल्स परियोजना, जापान की टोपान स्पेशियलिटी फिल्म्स की 1,100 करोड़ रुपये की स्पेशियलिटी फिल्म्स इकाई शामिल है.

स्पेन का सबमर ग्रुप भोपाल में 2 बिलियन डॉलर से बनाएगा एआई-रेडी डेटा सेंटर: स्पेन का सबमर ग्रुप मप्र में 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 19,000 करोड़ रुपये के निवेश से एआई-रेडी डेटा सेंटर स्थापित करेगा. सबमर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ पैट्रिक स्मेल्ट्स ने एमपी टेकग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 में कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश भारत और वैश्विक उद्योगों के बीच रणनीतिक साझेदारी का सशक्त केंद्र बनकर उभरा है. सीईओ ने बताया कि कंपनी द्वारा डेटा सेंटर परियोजना के लिए भूमि आवंटन का पहला आवेदन प्रस्तुत किए जाने के मात्र छह दिनों के भीतर भोपाल के हज्जामपुरा औद्योगिक क्षेत्र में 60,619.30 वर्ग मीटर भूमि आवंटन की सहमति 12 जुलाई 2026 को एमपीआईडीसी द्वारा जारी कर दी गई. यह भूमि 99 वर्ष की लीज पर आवंटित होगी. डेटा सेंटर बनने से लगभग 5,000 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे. कॉन्क्लेव को मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि डिजिटल एवं टेक्नोलॉजी सेक्टर में अब तक 12 हजार करोड़ रुपये से

चुनौतियां | मध्यप्रदेश में 2 हजार 269 स्कूल एक-एक शिक्षक के भरोसे

1-1 शिक्षक के भरोसे चल रहे देश में 1 लाख से ज्यादा स्कूल

साक्षी केसरवानी

भोपाल, 13 जुलाई. नीति आयोग द्वारा मई 2026 में जारी यूडीआईएसई की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1 लाख 4 हजार 125 स्कूल ऐसे हैं, जो सिर्फ एक-एक ही शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। वहीं यूनेस्को की एक रिपोर्ट बताती है कि 1 शिक्षक वाले स्कूलों में से 89 फीसदी स्कूल गांवों में हैं।

रिपोर्ट के अनुसार गांवों और पिछड़े इलाकों से शिक्षकों का तबादला होना और वहां नए शिक्षकों की भर्ती न होना इसका सबसे बड़ा कारण है।

बता दें रिपोर्ट के अनुसार देश भर में कुल 14 लाख 72 हजार स्कूल हैं. जिनमें करीब 24 करोड़ 8 लाख से अधिक बच्चे अध्ययनरत हैं. जबकि स्कूलों में कुल 98 लाख शिक्षक कार्यरत हैं. फिर भी लाखों स्कूलों में शिक्षकों की कमी है.

बता दें राज्य में करीब 1 लाख 19 हजार 694 स्कूल हैं. जिनमें करीब 1 करोड़ 52 लाख विद्यार्थी पढ़ रहे हैं. जिन्हे पढ़ाने वाले शिक्षकों की संख्या करीब 7 लाख 17 हजार 493 है. फिर भी राज्य में 2 हजार 269 स्कूल केवल 1 शिक्षक के भरोसे हैं. जहां कुल 62 हजार 151 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं. वहीं राज्य में प्राथमिक से लेकर माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर तक सरकारी स्कूलों में कुल 52 हजार से भी ज्यादा शिक्षकों के पद खाली हैं। रिपोर्ट के सरकारी आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में सबसे अधिक प्राथमिक स्तर पर 47 हजार 122 पद खाली पड़े हैं। इसके अलावा माध्यमिक स्तर पर 2 हजार 877 और उच्च माध्यमिक पर 2 हजार 20 पद खाली हैं।

कागजों पर हैं 30 बच्चों पर 1 शिक्षक

नियम के अनुसार स्कूल में 30 बच्चों पर 1 शिक्षक मौजूद होना जरूरी है. जिसमें मप्र में प्राथमिक स्कूलों में 16 बच्चों पर एक शिक्षक है। मिडिल स्कूलों में 14 बच्चों पर एक शिक्षक है। हाई स्कूलों में 14 बच्चों पर एक शिक्षक है और हायर सेकेंडरी स्कूलों में 15 बच्चों पर एक शिक्षक है। लेकिन हकीकत यह है कि यह अनुपात पूरे राज्य का औसत है, न कि किसी एक विद्यालय का. असली समस्या यह है कि शहरों के स्कूलों में शिक्षक अधिक हैं, लेकिन गांवों के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी हैं. विशेषज्ञों के अनुसार शिक्षकों का सही तरीके से बच्चों की संख्या पर वितरण न होने के कारण गांवों की स्थिति दयनीय है.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60